नईदुनिया

एचडीएफसी बैंक के एमडी को तत्काल निलंबित करने की मांग, 25 करोड़ रुपये के गोलमाल से जुड़ा है मामला

नई दिल्ली

मुंबई के प्रमुख अस्पताल में हुए चौंकाने वाले घटनाक्रमों ने देश में हंगामा मचा दिया है। लीलावती कीर्तिलाल मेहता मेडिकल ट्रस्ट ने भारतीय रिजर्व बैंक और प्रवर्तन निदेशालय को पत्र लिखकर एचडीएफसी बैंक के एमडी और सीईओ को निलंबित करने की मांग की है। एक रिपोर्ट के मुताबिक ट्रस्ट ने बैंक पर 25 करोड़ रुपये के गबन में संलिप्त होने का आरोप लगाया है। ट्रस्ट के सदस्यों ने कहा कि वे मुंबई मजिस्ट्रेट कोर्ट के जगदीशन और अन्य के खिलाफ एफआईआर दायर करने के आदेश के आधार पर ये कार्रवाई चाहते हैं। 5 जून को भेजे गए पत्र में ट्रस्ट ने आरोप लगाया कि बैंक के वरिष्ठ अधिकारियों ने एक संदिग्ध प्रॉपर्टी डील के जरिए 25 करोड़ रुपये की हेराफेरी में मदद की। ट्रस्ट के अनुसार बैंक ने इस लेन-देन में कई 'रेड अलर्ट' के बावजूद कार्रवाई नहीं की और बिना उचित जांच के संबंधित खाता बंद कर दिया। मुंबई की मजिस्ट्रेट कोर्ट ने 30 मई को बांद्रा पुलिस को शशिधर जगदीशन सहित आठ लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने के निर्देश दिए थे। इस पूरे मामले पर बैंक के प्रवक्ता ने कहा, एचडीएफसी बैंक के एमडी और सीईओ सशिधर जगदीशन को कुछ गलत इरादों वाले लोग निशाना बना रहे हैं, जो बैंक से बकाया ऋण की वसूली को रोकने के लिए कानूनी प्रक्रिया का दुरुपयोग कर रहे हैं। लीलावती ट्रस्ट द्वारा लगाए गए सभी आरोप बेबुनियाद और दुर्भावनापूर्ण हैं। हम इन आरोपों को पूरी तरह खारिज करते हैं। प्रवक्ता ने आगे कहा कि ट्रस्टी प्रशांत मेहता और उनके परिवार पर बैंक का बड़ा बकाया है, जिसकी अदायगी अब तक नहीं हुई है। पिछले दो दशकों में बैंक ने इसके लिए हर स्तर पर वसूली की कोशिश की है। सुप्रीम कोर्ट सहित हर स्तर पर असफल रहने के बाद अब ट्रस्ट ने बैंक और उसके सीईओ के खिलाफ निजी हमले शुरू कर दिए हैं ताकि वसूली के प्रयासों में बाधा डाली जा सके।

न्यूज ब्रीफ

भागलपुर-हावड़ा वंदे भारत एक्सप्रेस पर पथराव, खिड़कियों के शीशे चकनाचूर

भागलपुर। बिहार के भागलपुर जिले में वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन पर रविवार शाम को पथराव होने से रेल प्रशासन में हड़कंप मच गया है। यह हमला टेकानी रेलवे स्टेशन के पास हुआ, जिसमें सी-7 कोच के 42 और 43 नंबर सीट की खिड़कियों के शीशे चकनाचूर हो गए। घटना के बाद रेलवे प्रशासन में हड़कंप मच गया है और मामले की गंभीरता को देखते हुए जांच शुरू कर दी गई है। रेलवे अधिकारियों के अनुसार यह घटना उस समय हुई जब वंदे भारत एक्सप्रेस भागलपुर से हावड़ा जा रही थी। जैसे ही ट्रेन टेकानी स्टेशन के पास पहुंची, कुछ अज्ञात लोगों ने उस पर पथराव कर दिया। इस हमले में कोई यात्री घायल नहीं हुआ है, लेकिन ट्रेन की दो खिड़कियों को नुकसान पहुंचा है। पथराव से ट्रेन की गति कुछ समय के लिए धीमी कर दी गई, परंतु बाद में उसे गंतव्य के लिए रवाना कर दिया गया। पूर्व-मध्य रेलवे के मालदा मंडल के डीआरएम ने मामले को गंभीरता से लेते हुए टेकानी स्टेशन और उसके आसपास के क्षेत्रों की सीसीटीवी फुटेज की जांच के आदेश दिए हैं। उन्होंने कहा कि दोषियों को जल्द चिन्हित कर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) और जीआरपी की टीम घटनास्थल की जांच कर रही है और आसपास के ग्रामीणों से पूछताछ कर रही है।

जम्मू-कश्मीर में जेके सीमेंट ने किया 150 करोड़ का निवेश

जम्मू। जेके सीमेंट ने जम्मू-कश्मीर की सैफको सीमेंट प्राइवेट लिमिटेड में 60 फीसदी हिस्सेदारी लगभग 150 करोड़ रुपये में खरीद ली है। इससे जेके सीमेंट अब इस कंपनी में मैनेजमेंट कंट्रोल भी ले लेगा और यह एक साझेदार बन जाएगा। इस सौदे के बाद सैफको अब जेके सीमेंट की सब्सिडियरी बन गई है। यह पहली बार है जब किसी बड़ी सीमेंट कंपनी ने श्रीनगर में निर्माण इकाई स्थापित की है। इससे क्षेत्र की आर्थिक तरक्की को बढ़ावा मिलेगा। सैफको सीमेंट की फैक्ट्री खोनमोह (श्रीनगर) में है, जिसकी क्लिंकर क्षमता 0.26 मिलियन टन और ग्राइंडिंग क्षमता 0.42 मिलियन टन है। कंपनी का साल 2024-25 में टर्नओवर 73.17 करोड़ रुपये रहा। इस अधिग्रहण के बाद जेके सीमेंट को स्थानीय बाजार में मजबूती मिलेगी। जेके सीमेंट भारत की टॉप 10 ग्रे सीमेंट कंपनियों में शामिल है और कंपनी का लक्ष्य 2026 तक उत्पादन क्षमता 30 मिलियन टन तक पहुंचाने का है। जेके सीमेंट का शेयर 5,877.15 रुपये पर पहुंच गए हैं, जो इसका 52 हफ्तों का उच्चतम स्तर है।

हुंदै, मारुति सुजुकी को निर्यात में मजबूत वृद्धि की उम्मीद

नई दिल्ली। मारुति सुजुकी और हुंदै मोटर इंडिया को चालू वित्त वर्ष में निर्यात में अच्छी वृद्धि की उम्मीद है। हुंदै मोटर इंडिया चालू वित्त वर्ष में मात्रा के लिहाज से अपने निर्यात में एकल अंकों की वृद्धि की उम्मीद कर रही है। दूसरी ओर मारुति सुजुकी अपने निर्यात में मात्रा के लिहाज से लगभग 20 प्रतिशत वृद्धि की उम्मीद कर रही है। हुंदै मोटर इंडिया के एक अधिकारी ने एक बातचीत के दौरान विश्लेषकों को बताया कि हमारा लक्ष्य दक्षिण कोरिया के बाहर हुंदै का सबसे बड़ा निर्यात केंद्र बनना है। हम आने वाले वर्षों में निर्यात में अपनी वृद्धि को जारी रखने की आकांक्षा रखते हैं। उन्होंने कहा कि हाल के महीनों में निर्यात में मजबूत गति आई है। हुंदै मोटर इंडिया ने वित्त वर्ष 2024-25 में 1,63,386 वाहनों का निर्यात किया, जबकि वित्त वर्ष 2023-24 में यह आंकड़ा 1,63,155 इकाई था। दूसरी ओर मारुति सुजुकी इंडिया का लक्ष्य चालू वित्त वर्ष में निर्यात बाजारों में चार लाख इकाई बेचने का है।

अंबानी की कंपनी एफकॉन्स को मिला 700 करोड का ऑर्डर

नई दिल्ली

एफकॉन्स इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड को रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड से लेटर ऑफ अवार्ड (एलओए) प्रदान किया गया है। जानकारी के मुताबिक एफकॉन्स इंफ्रास्ट्रक्चर ने गुजरात के दाहेज में विनाइल प्रोजेक्ट पर सिविल, मैकेनिकल, इंस्टॉलेशन, टेस्टिंग और कमीशनिंग कार्यों के लिए रिलायंस इंडस्ट्रीज से 700 करोड़ रुपये का अनुबंध हासिल किया है। इस परियोजना को जून 2026 तक पूरा करने की योजना है। 31 मार्च को समाप्त मार्च तिमाही में एफकॉन्स इंफ्रास्ट्रक्चर का नेट प्रॉफिट 23 फीसदी घटकर 110.92 करोड़ रुपये रह गया। एक साल पहले इसी तिमाही में यह 144.90 करोड़ रुपये था। इससे पिछली तिमाही में कंपनी को 148.85 करोड़ रुपये का नेट प्रॉफिट हुआ था। वहीं परिचालन से प्राप्त राजस्व वित्त वर्ष 25 की चौथी तिमाही में 3,223.27 करोड़ रुपये रहा। एक साल पहले यह 3,636.43 करोड़ रुपये था। इस तिमाही नतीजे के साथ ही एफकॉन्स इंफ्रास्ट्रक्चर के निदेशक मंडल ने 2.50 रुपये के डिविडेंड को मंजूरी दी थी।

इसके अलावा कंपनी के कार्यकारी उपाध्यक्ष (पूर्णकालिक निदेशक) सुब्रमण्यम कृष्णमूर्ति ने स्टॉक एक्सचेंज फाइलिंग में बताया कि डेब्ट मीट्रिक में पर्याप्त सुधार हुआ। हमारी ऑर्डर बुक 36,869 करोड़ रुपये तक पहुंच गई, जिसमें 10,662 करोड़ रुपये की एल 1 परियोजनाएं शामिल नहीं हैं।

सेबी ने इंडसइंड बैंक के आदेश को संशोधित किया, चल रही जांच के बीच शीर्ष अधिकारियों के नाम किए घोषित

मुंबई। भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने इंडसइंड बैंक लिमिटेड के खिलाफ अपने अंतरिम आदेश में एक महत्वपूर्ण संदर्भ जारी किया है। जांच में पाया गया कि बैंक ने वित्तीय नुकसान की सूचना छिपाई और निष्कर्षों को स्टॉक एक्सचेंजों को खुलासा नहीं किया। इसके चलते समर्थन और भ्रष्टाचार कर्मीयों के खिलाफ कार्रवाई की गई है। सेबी ने चार वरिष्ठ अधिकारियों को भी नामित किया है जिन्हें प्रतिभूतियों को खरीदने, बेचने या उनमें सौदा करने से रोक दिया गया है। बैंक की स्थिति के बारे में आरबीआई गवर्नर ने जानकारी दी कि सभी प्रयास बैंक को स्थिर करने के दिशा में हो रहे हैं। इसके साथ ही बैंक ने लेखा मानकों को बेहतर बनाने के लिए कदम उठाए हैं जिससे उसका प्रदर्शन भी सुधर रहा है। सेबी ने पाया कि बैंक ने 10 मार्च, 2025 तक इन निष्कर्षों का स्टॉक एक्सचेंजों को खुलासा नहीं किया, न ही 4 मार्च, 2025 तक जानकारी को अप्रकाशित मूल्य-संवेदनशील डेटा के रूप में चिह्नित किया। केपीएमजी ने कथित तौर पर विशिष्ट लेखांकन प्रविष्टियों सहित संख्याओं को सत्यापित करने के लिए बैंक अधिकारियों के साथ आगे की चर्चा की। अपने अंतरिम आदेश में, सेबी ने मामले में उनकी कथित भूमिकाओं के लिए चार वरिष्ठ अधिकारियों को नामित किया: अरुण खुराना, पूर्व कार्यकारी निदेशक और डिप्टी सीईओ; सुशांत सौरव, ट्रेजरी संचालन के प्रमुख; रोहन जथन्ना, जीएमजी संचालन के प्रमुख; और अनिल मार्को राव, उपभोक्ता बैंकिंग संचालन के लिए मुख्य प्रशासनिक अधिकारी। इन व्यक्तियों को अगली सूचना तक किसी भी रूप में प्रतिभूतियों को खरीदने, बेचने या उनमें सौदा करने से रोक दिया गया है।

ईओडब्ल्यू के धोखाधड़ी मामले में पुलिस के हत्थे चढ़ा मास्टरमाइंड

नई दिल्ली

दिल्ली पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) ने एक बड़ा धोखाधड़ी मामले का खुलासा किया है, जिसमें आरोपी अंगद पाल सिंह को गिरफ्तार कर लिया गया है। इस मामले में 18 खाताधारकों ने 467 फर्जी फॉरेन इनवर्ड रेमिटेंस सर्टिफिकेट जमा कराए गए हैं, जिन्हें व्यापार लाभ प्राप्त करने के लिए इस्तेमाल किया गया। ईओडब्ल्यू ने पहले ही तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है और मामले की जांच में नई रफ्तार मिल गई है। ईओडब्ल्यू की जांच में पता चला कि अंगद ने अपने परिवार और दोस्तों की मदद से कई फर्में बनाईं और आईसीआईसीआई बैंक में खाते खोले।

आरोपी ने दोस्तों की मदद से कई फर्में बनाईं और आईसीआईसीआई बैंक में खाते खोले

बैंक कर्मचारियों के साथ मिलीभगत कर फर्जी दस्तावेजों को प्रोसेस किया गया। जब यह मामला सामने आया, तो अंगद और उसके सहयोगी देश छोड़कर भाग गए। अंगद को हाल ही में अमेरिका से प्रत्यर्पित किया गया था, जहां उसे सीबीआई ने एक अन्य धोखाधड़ी के मामले में गिरफ्तार किया था। अब इस मामले में ईओडब्ल्यू ने आरोपी अंगद पाल सिंह उर्फ अंगद सिंह चंधोक को गिरफ्तार कर लिया है। अंगद पाल सिंह ने दिल्ली में 12वीं तक पढ़ाई की है। उनके पिता सुरिंदर सिंह ऑटो स्पेयर पार्ट्स के निर्यातक थे और उनकी फर्म नेशनल ट्रेडर के जरिए काम करते थे। अंगद ने अपने पिता के साथ काम शुरू किया और आयात-निर्यात का ज्ञान हासिल किया। उसने परिवार और दोस्तों की फर्मों को जोड़ा और ऊंचे मुनाफे का लालच देकर यह जालसाजी की। ईओडब्ल्यू के उपायुक्त विक्रम के. पोरवाल ने बताया कि इस मामले में पहले तीन अन्य आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है। सभी आरोपियों के खिलाफ चार्जशीट दाखिल हो चुकी है। यह एक जटिल मामला है, अंगद की गिरफ्तारी के बाद जांच को नई रफ्तार मिल गई है।

वाहन उद्योग ने चीन से दुर्लभ पृथ्वी चुंबकों के आयात में सरकार से मदद मांगी

वाहन उद्योग ने यात्री कारों सहित विभिन्न अनुप्रयोगों में उपयोग होने वाले दुर्लभ पृथ्वी चुंबकों के आयात के लिए चीन की सरकार से मंजूरी में तेजी लाने के लिए सरकार से मदद की गुहार लगाई है। इसके परिणामस्वरूप, विभिन्न अनुप्रयोगों में उपयोग होने वाले चुंबकों की आपूर्ति में वाहन उद्योग को बड़ी मुश्किलें आ सकती हैं। सूत्रों के मुताबिक, अब तक कोई अनुमति नहीं मिली है और व्यापारिक संबंध को दरकिनार करना पड़ सकता है। चीन ने सात दुर्लभ पृथ्वी तत्वों और संबंधित चुंबकों के लिए निर्यात लाइसेंस को अनिवार्य बनाया है, जिससे उपयोगकर्ताओं को पहले अनुमति प्राप्त करनी होगी। इस स्थिति में, वाहन उद्योग के व्यापारिक अनुभवी ने भविष्य के लिए चुंबकों की आपूर्ति में बड़ी कठिनाइयां आने की संभावना देखी है।

चीन के निर्यात से भारत की ऑटो कंपनियां परेशान

नई दिल्ली

चीन ने दुर्लभ खनिजों के रेयर अर्थ एलीमेंट्स के निर्यात को मंजूरी दे दी है, जिसके कारण भारत की ऑटो कंपनियों को काफी परेशानी हो रही है। चीन के निर्यात से भारत के ऑटो कंपनियों को आवश्यक खनिज तत्वों की कमी का सामना करना पड़ रहा है। चीन के वाणिज्य मंत्रालय ने यह मंजूरी देने के बावजूद भी अभी तक इसके लिए मंजूरी नहीं दी है।

चीन के रेयर अर्थ निर्यात को मंजूरी देने का कदम कुछ लोगों के लिए एक सकारात्मक संकेत है, जो चीन और अमेरिका के बीच व्यापारिक तनाव कम करने की दिशा में देख रहे हैं। चीन का दावा है कि रोबोटिक्स और इलेक्ट्रिक वाहनों जैसे उभरते क्षेत्रों में इन खनिजों की मांग तेजी से बढ़ रही है, जिसके लिए उन्होंने निर्यात मंजूरी देने का निर्णय लिया है। ताजा रिपोर्ट के अनुसार, चीन ने अमेरिका की तीन प्रमुख ऑटोमोबाइल कंपनियों के रेयर अर्थ आपूर्तिकर्ताओं को अस्थायी निर्यात लाइसेंस भी प्रदान किए हैं, जिससे कि यह मामला अधिक गहराई से जांच जा सके। इसके अलावा यूरोप के लिए भी निर्यातकों को मंजूरी जल्द ही दी जाएगी। रेयर अर्थ इलेक्ट्रिक गाड़ियों से लेकर मोबाइल फोन तक में इस्तेमाल होने वाले ये खनिज हाई-टेक चीजों के निर्यात में चीन का महत्वपूर्ण योगदान होगा।

रेपो रेट में कटौती से फ्लोटिंग रेट होम लोन लेने वालों को होगा लाभ

मुंबई

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने शुक्रवार को रेपो रेट में 50 बेसिस प्वाइंट की कटौती की है, जिससे रेपो रेट 5.50 प्रतिशत हो गई है। इस कटौती से होम लोन और कार लोन जैसे ऋण सस्ते हो सकते हैं। हालांकि, इसका फायदा रेपो रेट लिंक्ड फ्लोटिंग रेट होम लोन लेने वाले ग्राहकों को ही होगा।

जिन ग्राहकों के लोन अभी भी पुराने बेस रेट या एमसीएलआर से जुड़े हैं, उन्हें रेपो रेट में कटौती का कोई फायदा नहीं मिलेगा और ज्यादा ब्याज चुकाना होगा।

पुराने बेस रेट या एमसीएलआर से जुड़े लोगों को नहीं मिलेगा फायदा

वित्तीय सलाहकारों का कहना है कि इस समय ग्राहकों को रेपो-लिंक्ड लोन में स्विच करने पर विचार करना चाहिए। एक रिपोर्ट के अनुसार, बैंक बाजार डॉट कॉम के एक अधिकारी का कहना है कि रेपो-लिंक्ड लोन में स्विच करने पर विचार करना खासतौर पर इस समय जरूरी है क्योंकि आरबीआई ने इस साल 2025 में तीसरी बार रेपो रेट घटाकर 5.50 प्रतिशत कर दी है। इसके साथ ही उन्होंने बताया कि रेपो-लिंक्ड लेंडिंग रेट ज्यादा पारदर्शी है और रेपो रेट में बदलाव का असर तुरंत दिखता है। उदाहरण के लिए अगर किसी के पुराने एमसीएलआर

लिंक्ड होम लोन की ब्याज दर 8.5 प्रतिशत है और वे 7.5 प्रतिशत के आसपास रेपो लिंक्ड होम लोन में स्विच करते हैं, तो उनकी ईएमआई में कमी होगी। अधिकारी का कहना है कि यदि आपका मौजूदा बैंक रेपो रेट में कटौती का फायदा नहीं दे रहा है, तो बैलेंस ट्रांसफर का विकल्प के बारे में सोचें।

इंफोसिस ने गिफ्ट सिटी में नया विकास केंद्र खोला

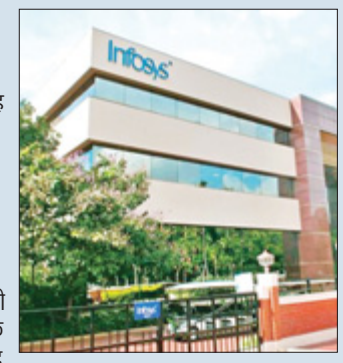

नई दिल्ली। इंफोसिस ने गांधीनगर स्थित गुजरात इंटरनेशनल फाइनेंस टेक-सिटी (गिफ्ट सिटी) में एक नया विकास केंद्र का शुभारंभ किया है। यह केंद्र वैश्विक बैंकिंग, वित्तीय सेवाओं और बीमा (बीएफएसआई) ग्राहकों के लिए समाधान विकसित करेगा। इस केंद्र का उद्घाटन गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्रभाई पटेल ने किया और इसमें 1,000 से अधिक कर्मचारियों को समायोजित करने की क्षमता है। कंपनी ने शेयर बाजार को बताया कि यह एक प्रमुख प्रौद्योगिकी आधारित वित्तीय केंद्र के रूप में कार्य करेगा, जो वैश्विक बीएफएसआई ग्राहकों के लिए उन्नत डिजिटल समाधान देगा। इसमें बताया गया कि केंद्र की सेवाएं डिजिटल बैंकिंग, नियामक मामलों, व्यापार वित्त, पूंजी बाजार, कार्ड और भुगतान, जोखिम और अनुपालन प्रबंधन सहित कई महत्वपूर्ण क्षेत्रों में फैली होंगी।